बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
तहसील- पाटण , जिला- सातारा
हिंदी विभाग
2023-24

Pसेमिस्टर –VI अंतर्गत मूल्यमापन - परियोजना (Project) दिनांक- 01/ 03/2024

सूचना

महाविद्यालय के B.A.III के हिंदी विषय के छात्रों को सूचित किया जाता है कि शिवाजी विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार B.A.III हिंदी पेपर नं. XIII तथा XV के लिए 10 अंको के लिए परियोजना (Project) का प्रावधान है । यह परियोजना (Project) 10/03/2024 से 15/03/2024 तक विभाग में जमा करना है । इस उपक्रम में B.A.III हिंदी विषय के सभी छात्रों को परियोजना (Project) देना अनिवार्य होगा, जो छात्र इस उपक्रम में प्रतिभागी नहीं होंगे, वे छात्र विश्वविद्यालय परीक्षा में फेल होगें। अतः इस नुकसान के लिए छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा।

परियोजना (Project) की विषय सूची संलग्न है ।

डॉ. व्ही. बी.कुरणे
हिन्दी विभागाध्यक्ष
बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
जि. सातारा.

B.A.III हिंदी – 10 अंक के लिए परियोजना (Project)

2023-24

अनु.	छात्र का नाम	प्रश्नपत्र XIII साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना	प्रश्नपत्र XV प्रयोजनमूलक हिंदी
1	चोपडे उज्वला अशोक देसाई मोहिनी अशोक गालवे कोमल रामचंद्र	महाकाव्य स्वरूप तथा भारतीय तत्व	इन्स्टाग्राम
2	गवळी संजना प्रकाश घार्गे अंकिता विश्वास घाडगे अजय संजय	प्रगीत स्वरूप एवं उसके भेद	फेसबुक
3	जाधव अनिकेत नवनाथ जाधव मीनाक्षी पंढरीनाथ जाधव रेखा संपत	गज़ल - स्वरूप एवं प्रमुख अंग	व्हॉटस्अप
4	कदम शामल उत्तमभाऊ कांबळे स्नेहल बलराम कांबळे स्वप्नील श्रीमंत	मनोवैज्ञानिक आलोचना ऐतिहासिक आलोचना	ट्विटर
5	कश्यप मानसिंग अर्जुन कोळेकर आकांक्षा विजय मिसाळ सोनाली नारायण	एकांकी स्वरूप एवं तत्व	ब्लॉग
6	मोरे अक्षय शंकर मोलवडे कार्तिकी मारुती मुजावर मदीनाबेगम बशीरसाब	कहानी स्वरूप एवं तत्व	अनुवाद स्वरूप और महत्व
7	पतंगे वर्षा श्रीकांत पाटील प्रियांका सुनील पवार ओंकार वसंत	उपन्यास - स्वरूप एवं तत्व	दूरदर्शन
8	फल्ले मेघा सुरेश साळुंखे संकेत संतोष साळुंखे गुरुनाथ शंकर	रेखाचित्र - स्वरूप एवं विशेषताएँ	अनुवाद की उपयोगिता
9	शेडगे भाग्यश्री संजय शेळके रेश्मा दगडू शिलवंत सुशांत सुरेश	आत्मकथा- स्वरूप एवं विशेषताएँ	अनुवादक के गुण
10	शिंदे सुश्मीता लक्ष्मण सुर्वे ओंकार नवनाथ सुतार गणेश हणमंत	यात्रावृत्त- स्वरूप एवं विशेषताएँ	प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार
11	यादव लक्ष्मी हरिबा मोरे ज्योती गोरखनाथ	आलोचना एवं उसके प्रकार	अनुवादक और उसके गुण

प्रोफेसर (डॉ.) व्ही. बी. कुरणे
अध्यक्ष हिंदी विभाग
बाळासाहेब देसाई कॉलेज , पाटण

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर बालासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग

B. A. III **Semester -VI**

परियोजना (Project)

शैक्षणिक वर्ष - 2023 – 24

प्रश्नपत्र क्र. 13

विषय नाम : प्रयोजनमूलक हिंदी

परियोजना का नाम : फेसबुक

छात्र का नाम : धारगे अंकिता विश्वास

मूल्यांकन :-

सामग्री	रचना	भाषा शैली	समझ	कुल अंक
3	2	3	2	10

परीक्षक के हस्ताक्षर

Page No.
Date

अनुक्रम

अ. नु.	तपशील	पृष्ठ क्र.
1	प्रस्तावना	1
2	महत्त्व	2
3	ऋणानिर्देश	3
4	परिचय	4
5	समस्याएँ अन्य विज्ञानोंके साथ संबंध	5
6	सारांश	6
7	समारोप	7

Page No. 5

फेसबुक :-

वस्तुतः- फेसबुक एक मुक्त सामाजिक नेटवर्किंग की विश्वव्यापी सुविधा है। फेसबुक के लिए संगणक की मोबाईल और नेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। फेसबुक इंटरनेट से जुड़े लोगों के जीवन का अभिन्न अंग का बन गया है। वैसे फेसबुक जाने पहचाने दोस्त और परिजनों के साथ संदेश आदान प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। आपसे विचारों को आदान-प्रदान माध्यम फेसबुक का जन्म वर्ष 2004 में हुआ है। फेसबुक के जनक मार्क जुकेरबर्ग ने तब उसका नाम फेसबुक रखा था, जो कि वर्ष 2005 में फेसबुक कर दिया। कॉलेज नेटवर्किंग जाल-स्थल के रूप में शुरू हुआ यह बहुभाषी सामाजिक माध्यम है।

फेसबुक – कार्यप्रणाली

फेसबुक द्वारा विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्याल-यो और विभिन्न संगठनो के बीच नेटवर्किंग किया जा सकता है और अपने मनचाहा विचार एक-दूसरो के साथ किया जा सकते है, एक-दूसरो का मनोरंजन किया जा सकता है। यहाँ तक कि इसके द्वारा एक प्रोफाइल पृष्ठ बनाकर अपनी निजी जानकारी साझा की जा सकती है। यहाँ तक कि निजी इसके द्वारा एक प्रोफाईल पृष्ठ बनाकर अपनी निजी जानकारी साझा की जा सकती है। इस पृष्ठ में संबंधित व्यक्ति का नाम, जन्मतिथी, फोटो, कार्यस्थान और स्कूल-कॉलेज की जानकारी का ब्यौरा दिया जाता है। जिसके माध्यम परिचिती लोगों के नाम या इमेल डालकर उसके अकाउंट को ढूँढा जा सकता है। जिसके माध्यम से परिचित इस माध्यम से उपयो-गकर्ता अपने परिचित स्कूल-कॉलेज, वाणिज्यिक फर्मों, संस्थान, देहात शहरी, जाति धर्म के लोगों का संगठन बना सकते है।

फेसबुक पर फोटो, ऑडियो-वीडियो अपलोड कर सकते है। और वह जानकारी उन्हीं लोगों को दिखाई जा सकती है; जिसको उपयोगकर्ता दिखाना चाहता है। फेसबुक में और एक सुविधा है कि विशेष समय या अवसर पर वह व्यक्ती क्या कह रहा है? क्या सोच रहा है? जिसको स्टेटस अपडेट कहा जाता है।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर बालासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग

B. A. III **Semester -VI**

परियोजना (Project)

शैक्षणिक वर्ष - 2023 – 24

प्रश्नपत्र क्र.-

विषय नाम :

परियोजना का नाम : महाकाव्य स्वरूप तथा भारतीय तत्त्व

छात्र का नाम : गोलवे कोमल रामचंद्र

मूल्यांकन :-

सामग्री	रचना	भाषा शैली	समझ	कुल अंक
3	2	3	2	10

परीक्षक के हस्ताक्षर

अनुक्रमणिका

अ.क्र	तपशील
1)	प्रस्तावना
2)	उद्देश्य
3)	प्रगीत काव्य
4)	भारतीय दृष्टि से महाकाव्य
5)	प्रगीत काव्य या गीतिकाव्य के तत्व
6)	प्रगीत के भेद

प्रगीत काव्य

भारतीय आचार्य ने काव्य के दो भेद किए हैं- प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य। प्रबंध काव्य में कथा के सूत्र में सारे पद बँधे हुए होते हैं। इसके विरुद्ध मुक्तक काव्य में प्रत्येक पद स्वतंत्र होता है। मुक्तक काव्य में एक भाव, एक अनुभूति या एक कल्पना का चित्रण होता है। मुक्तक में कोई कथा सूत्र नहीं होता। प्रत्येक पद अपने आप में पूर्ण भाव का अर्थ व्यक्त करता है। प्रत्येक पद अपनी स्वतंत्र सत्ता रखता है। मुक्त काव्य के दो भेद किए जाते हैं: (1) पाठ्यमुक्तक (2) गेयमुक्तक

पाठ्य मुक्तक :-

पाठ्य मुक्तक रचनाओं में विषय की प्रधानता होती है। इसमें विभिन्न विषयों पर लिखी गई छोटी-छोटी विचार प्रधान रचनाएँ होती हैं, जिनमें किसी प्रसंग को लेकर भावानुभूति का चित्रण होता है। अथवा किसी विचार या रिति का वर्णन किया जाता है। 'तार सप्तक' की रचनाएँ, सुमित्रानंदन पंत की 'पतझड़' सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की 'भिक्षुक', 'वह तोड़ती पत्थर' आदि रचनाएँ इसी के अंतर्गत आती हैं।